10 धर्मादेश
मेरे अलावा कोई अन्य तुम्हारा परमेश्वर नहीं होगा। 2-तुम कोई और आदर्श मत बनाओ। 3-तुम अपने परमेश्वर का नाम अहंकार से मत लो।4-विश्राम के दिनों को याद करो। 5-पिता का सम्मान करो।-अपने माता 6-तुम मारे नहीं जाओगे। 7-तुम्हें व्यभिचार के प्रति वचनबद्ध नहीं होना चाहिए। 8-तुम्हें चोरी नहीं करनी चाहिए। 9- तुम्हें झूठ नहीं बोलना चाहिए। 10- तुम्हें लालच नहीं करनी चाहिए। जो कोई औरत को“ न्याय के दिनों में तुम्हें ईश्वर का सामना करना होगा। परमेश्वर वासना को व्यभिचार के रूप में देखता है। मैथ्यू) ”वासना की निगाह से देखता है वह अपने हृदय में उनके प्रति व्यभिचार ही कर रहा होता है। 5: 28) वह घृणा को हत्या के रूप जॉन 1)”हृदयाघाती है। ,बहन से घृणा करता है-वह कोई भी जो अन्य किसी भाई“ ,में देखता है 3:15) यहाँ ?क्या तुम स्वर्ग जाओगे या वासनात्मक ,परमेश्वर का नाम अहंकार से लिया है ,कभी कुछ चुराया है ,एक त्वरित कसौटी है। क्या तुमने कभी झूठ बोला है जेम्स ?दृष्टि से देखा है 2:10 वह व्यक्ति जो सभी तरह के कानूनों को मानता तो है पर परमेश्वर के नियमों को तोड़ता है“,कहता है ,अगर तुमने ऐसा किया है तो परमेश्वर तुमको एक झूठा ?क्या तुम न्याय के दिन दोषी होंगे ”तो वह भी दोषी व्यक्ति की तरह ही है। व्यभिचारी हृदय के रूप में देखता है। बाइबिल तुमको यह चेतावनी देता है कि यदि तुम दोषी ,ईश्वर का निन्दक ,चोरी करने वाला हो तो तुमको नरक में ढकेल दिया जाएगा। परमात्मा ने इन सब को झेलने और सूली पर मरने के लिए अपनी संतान को भेजा है। परमात्मा इस दुनिया को इतना प्यार करते हैं कि उन्होंने अपनी एकमात्र प्यारे“ यीशु ने इन सभी सजा को अपने उपर ले लिया है। जॉन)”जो कोई इनपर विश्वास करेगा उसका नाश नहीं होगा अपितु उसे सदाबहार जीवन मिलेगा। ,संतान को भेज दिया 3:16) तब परमेश्वर तुमको ,करो और यीशु में विश्वास रखो (पाप से घृणा) यीशु मौत से उठे और मृत्यु को पराजित किया। पश्चाताप सदाबहार जीवन प्रदान करेंगे। बाइबिल का पाठ करो और जो भी पढ़ो उसका अनुपालन करो।

परमेश्वर के शब्द I
तुम परमेश्वर की सत्ता को नहीं ,जबतक तुम्हारा दुबारा जन्म नहीं होता ,मैं तुम्हें सत्य कहता हूँ“ तुम्हें बचाए जाने की आवश्यकता है। जॉन)”देख सकते। 3:16) भटक चुके हैं। स्वयं का अनुसरण करते हुए हमलोग परमेश्वर की ,हमलोग सबके सब भेंड़ की तरह हैं इलियास)राह से दूर हो चुके हैं। 53:6) सभी हृदयों का खोज तथा गुप्त भाव का परीक्षण करता हूँ। लोगों के ,परमात्मा ,किन्तु मैं जरमिया) मैं सभी को उनका बकाया ईनाम देता हूँ ,अपने कार्य के योग्य-अपने 17:10) जबतक तुम अपने पापों का प्रायश्चित नहीं ल्यूक) करते और प्रभु की शरण में नहीं जाते तुम बर्बाद हो जाओगे 13:3) आपको नहीं बचा सकते। परमेश्वर ने हमें-तुम अपने इसलिए नहीं की हमने अच्छे कर्म किए बल्कि उनके दया के कारण। पवित्र विचार के द्वारा हमें नया जन्म तथा नयी जिन्दगी ,बचाया टाइटस)प्रदान करते हुए उन्होंने हमारे पापों को धो दिया। 3:5) प्रत्येक व्यक्ति के समक्ष एक रास्ता है जो सही लगता है पर उसका प्रोवर्ब्स) अंत मृत्यु है 14:12) और सत्य का मार्ग हूँ। बिना मेरे माध्यम के कोई भी परमात्मा के पास ,मैं जीवन“ ,यीशु ने उनसे कहा जॉन) ।”नहीं जा सकता 14:6) परमात्मा के साथ किसी भी व्यक्ति के पास यह अधिकार नहीं है कि धर्म आदेश क्या है। रोमन) साधारणतया यह हमें दिखाता है कि हम पापी हैं। 3:20) परमेश्वर के द्वारा तुम्हारा मुक्तिदाता प्रदान किया जा चुका है। यीशु हमारे पापों को लेकर सूली पर चढ़ चुका है इसलिए हमलोग पाप को मार सकते हैं और सत्य के लिए जी सकते हैं। उनके घावों से हमलोग चंगा हैं। (1 पीटर 2:24) और मृत्यु के तीसरे दिन ही वह जाग ,मसीह पापों के लिए मरा। यीशु को दफनाया गया उठे। (1 कॉरिनथियान्स 15:3-4) यदि तुम विश्वास रखते हो तो परमेश्वर अपनी दया से तुम्हें बचा सकते हैं। इसका श्रेय तुम नहीं इसलिए इस संबंध में हमलोग ,यह परमेश्वर का वरदान है। मुक्ति हमारे उन अच्छे कर्मों का फल नहीं है जो हमने किया है ,ले सकते फेसियन्स) अभिमान नहीं कर सकते। 2:8-9)

परमेश्वर के शब्द II
केवल उसमें :एकमात्र कार्य जो परमेश्वर तुमसे चाहता है “ ,परमेश्वर के शब्द में विश्वास रखो और बचो। यीशु ने उनसे कहा जॉन) ”विश्वास रखो जिसे भेजा जा चुका है 6:29) वो जो हमारा संदेश सुनता है और परमेश्वर में विश्वास ;मैं तुम्हें सच कहता हूँ परंतु वह पहले ही मृत्यु ,रखता है जिसने मुझे भेजा है उसे अनन्त शक्ति है। उन्हें अपने पापों के लिए कभी दंडित नहीं किया जाएगा

जॉन) से निकलकर जीवन प्राप्त कर चुका है। 5:24) जो कोई अपने को परमेश्वर की संतान नहीं मानता उसे जीवन नहीं मिलता। यह मैंने तुम्हारे लिए लिखा है जो परमात्मा के संतान के नाम में विश्वास रखता है इसलिए तुम जान सकते हो कि तुम्हारे पास अनन्त जॉन) जीवन है। 5:12-13) तो ,लोगों से पहले यीशु के समक्ष अपराध स्वीकार करो। यदि कोई मुझसे या मेरे संदेश से शर्मिन्दा है ल्यूक) लोगों की संतान उस व्यक्ति पर शर्मिन्दा होगा। 9:26) यदि तुम अपने मुँह से यीशु को परमात्मा मानते हुए अपराध स्वीकार करते हो और परमेश्वर के साथ अपने ह्रदय पर विश्वास रखते हो तो परमेश्वर तुम्हें मृत्यु से उपर उठा लेगा और तुम बचाए जा सकोगे। इसके लिए तुम अपने ह्रदय से विश्वास करते हुए कि तुमने परमेश्वर के साथ अच्छा किया है और अपने मुँह से अपराध रोमन) स्वीकार किया है तो तुम सुरक्षित हो।10:9-10) विश्वास करना अच्छे कर्मों का उत्पादन है। यह कितना अच्छा है कि तुम जेम्स) ?कहते हो कि तुम्हें विश्वास है पर तुम अपने कर्मों से इसे प्रदर्शित नहीं करते2:14) ,परमेश्वर तुम्हारे लिए काम कर रहा है फिलिपाइन्स) वह करने के लिए तुम्हें इच्छा और शक्ति प्रदान कर रहा है जो उन्हें खुशी देती है। 2:13) हम सभी परमेश्वर ,जी हाँ रोमन) जोखा प्रदान करेंगे।-को लेखा 14:12) किन्तु यदि तुम परमेश्वर की सेवा से इनकार करते हो तो आज ही चुनो कि तुम जोशुआ) ।"हमलोग परमात्मा की सेवा करेंगे ,मुझे या मेरे परिवार को ,किसकी सेवा करोगे 24:15)

मुक्ति हेतु परमेश्वर का आसान योजना I

,स्वर्ग जाने के क्रम में परमेश्वर कहता है ?तुम्हारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जब तुम मरोगे तो क्या स्वर्ग जाओगे जॉन) ।"तुम निश्चय ही दुबारा जन्म लोगे" 3:7) बाइबिल में परमेश्वर ने हमे एक योजना दिया है कि कैसे हम दुबारा जन्म लें। सभी ने पाप किया है और परमेश्वर के मानदण्ड के" तुम्हें निश्चित रूप से यह स्वीकार करना चाहिए कि तुम पापी हो। ,पहला रोमन) "निकट गिरेगा3:23) रोमन) "पाप की मजदूरी मृत्यु है" तुम मृत्यु के भागी हो। ,क्योंकि तुम पापी हो 6:23) इसकी ,नरक में हिब्रू) "प्रत्येक के भाग्य में एकबार मृत्यु है और उसके बाद न्याय का दिन आता है" गिनती परमेश्वर से अनन्त विलगाव है। 9:27) किन्तु परमात्मा तुमसे असीम प्यार करता है उन्होंने अपनी एकमात्र उत्पन्न संतान यीशु दिया जो तुम्हारे पापों को ढोया और तुम्हारे ही किन्तु परमात्मा हम सबों से असीम प्यार करते हुए मसीह को हमारे लिए मरने को भेजा किन्तु हम सब अभी तक "स्थान पर मरा। रोमन) "पापी हैं। 5:8) परमेश्वर ने कहा कि तुम्हारा पाप मसीह के उपर था और वह तुम्हारे ,यद्यपि हम समझ नहीं सकते कि कैसे अपने पापों का पश्चाताप करने और उन्हीं के पास वापस आने के लिए परमात्मा का सबों पर सब जगह" ही स्थान पर मरा। एक्ट्स) "नियंत्रण है 17:30) पश्चाताप का मतलब हुआ तुम्हारे पापों का तुमसे दूर हो जाना और परमात्मा से सहमत होना कि तुम बचने हेतु हमें क्या करना" :इस बात से भी सहमत होओ कि मसीह ने सूली पर हमारे लिए क्या किया। प्रश्न है ,पापी हो एक्ट्स) "?चाहिए16:30) जो तुम्हारे ही स्थान पर ,एकमात्र मसीह में विश्वास रखना चाहिए जो हमारे पापों को ढोता है :उत्तर है उसे दफनाया गया और जिनको परमात्मा ने पुनर्जीवित किया। हमे पूरी तरह से आश्वस्त हो जाना चाहिए कि जब मसीह हमारे ,मरा ,किन्तु उन सबों के लिए जो उनको स्वीकार करता है और उनमें विश्वास रखता है" मुक्तिदाता हैं तो हमें सदाबहार जीवन मिलेगा। जॉन) "उनको वह परमात्मा का संतान होने का अधिकार दिया 1:12)

मुक्ति हेतु परमेश्वर का आसान योजना II

"रोमन) "प्रत्येक वह जो प्रभु का नाम पुकारेगा बचाया जा सकेगा। 10:13) तुम बचाए जा सकोगे। न तो चर्च और ,विश्वास करो तुम एक पापी :नहीं तुम्हारे अच्छे कर्म तुम्हें बचा सकता। याद रखो परमात्मा बचाता है। मुक्ति हेतु परमेश्वर का आसान योजना है तुम्हारा सारा समय नरक में ,हो जबतक तुम पश्चाताप नहीं करते और मसीह में विश्वास नहीं करते जो कि तुम्हारे ही स्थान पर मरा दफन किए हुए और मुक्तिदाता के रूप मे विश्वास करते हो तो वो तुम्हारे सभी पापों को ,बीतेगा। यदि तुम उन्हें सुली पर मरते हुए क्षमा कर देगा और विश्वास के साथ तुम्हें अनन्त मुक्ति प्रदान किया जाएगा। तुम्हारे आत्मा का मूल्य पूरी दुनिया से अधिक है। यदि अपनी भावनाओं पर भरोसा मत करो वह ?तुम्हें पूरी दुनिया ही मिल जाय पर तुम्हारी आत्मा नष्ट हो जाय तो तुम्हें क्या मिलेगा धार्मिक ,परिवर्तित हो सकता है। परमात्मा के वचन पर अडिग रहो जो कभी भी परिवर्तित नहीं हो सकता। जब तुम बच जाते हो प्रार्थना करो जहाँ तुम परमेश्वर से बातें कर सकते हो। दूसरा बाइबिल ,वृद्धि के लिए प्रतिदिन तीन चीजों का अभ्यास करो। पहला

ताकि तुम परमेश्वर के ,अपने विश्वासों को अन्य के साथ बाँटो ,का पाठ करो ताकि परमेश्वर तुमसे बात कर सके। और तीसरा इसलिए हमारे परमात्मा के संबंध में दूसरों को बताने में कभी भी शर्म मत करो" लिए बात कर सको।" (2 टिमोथी 1:8) इस धरती मैथ्यू) में भी स्वर्ग में अपने पिता के समक्ष उसे स्वीकार करूँगा। ,पर जो भी मुझे खुले आम स्वीकार करेगा 10:32) तुम्हारी मुक्ति विश्वासकर्ता चर्च-और तब बाइबिल ,प्रभु यीशु मसीह की आज्ञा से तुम्हें बपतिस्म किया जाना चाहिए ,हेतु लोक साक्ष्य के रूप में के साथ एकजुट हो जाना चाहिए।